

ऊर्जा संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीकी प्रणाली का उपयोग पमरे के कुल 96 प्लेटफॉर्मों में स्वचलित प्लेटफार्म लाईट नियंत्रक सिस्टम

जबलपुर 04 अगस्त। पश्चिम मध्य रेल ऊर्जा संरक्षण के लिए सदैव तत्पर एवं अग्रणी रहा है। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता के निर्देशन और तीनों मण्डलों के मंडल रेल प्रबंधक तथा अन्य अधिकारियों एवं विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा ऊर्जा बचत के लिए कारगर उपाय किये गये हैं। इसी पहल में पमरे में आधुनिक तकनीकी सिग्नल प्रणाली पर आधारित स्वचलित प्लेटफार्म लाईट नियंत्रक सिस्टम लगाया गया है।

पमरे के 40 प्रमुख स्टेशनों पर कुल 96 प्लेटफॉर्मों में सिग्नल प्रणाली पर आधारित स्वचलित प्लेटफार्म लाईट नियंत्रक सिस्टम लगाया गया है। इस प्रणाली के अंतर्गत जैसे ही गाड़ी प्लेटफार्म पर पहुंचेगी प्लेटफार्म की शत-प्रतिशत लाइटें चालू हो जायेंगी और गाड़ी के रुकने तक प्लेटफार्म की सभी 100 प्रतिशत लाइटें चालू रहेंगी। गाड़ी जैसे ही प्लेटफार्म को पार करेंगे 70 प्रतिशत लाइट बंद हो जायेंगी एवं यात्री सुविधा एवं सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक 30 प्रतिशत लाइटें चालू रहेगी। **इस प्रणाली को अपनाने से स्टेशनों में 36 लाख किलोवाट से अधिक यूनिट की बचत हुई है।** पमरे के तीनों मंडलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा के प्रमुख स्टेशनों पर स्वचलित प्लेटफार्म लाईट नियंत्रक प्रणाली उपलब्ध है।

जबलपुर के 13 स्टेशनों :- जबलपुर के 13 स्टेशनों पर जबलपुर, मदन महल, नरसिंहपुर, मैहर, सतना, सागर, गाडरवारा, श्रीधाम, कटनी मुड़वारा, कटनी, दमोह, रीवा सहित कुल 34 प्लेटफॉर्मों में स्वचलित प्लेटफार्म लाईट नियंत्रक सिस्टम लगाया गया है।

भोपाल के 12 स्टेशनों :- भोपाल के 12 स्टेशनों पर भोपाल, गुना, हरदा, होशंगाबाद, विदिशा, शिवपुरी, बीना, संत हिरदा रामनगर, गंजबासौदा, साँची, अशोक नगर, ब्यावरा राजगढ़ सहित कुल 33 प्लेटफॉर्मों में स्वचलित प्लेटफार्म लाईट नियंत्रक सिस्टम लगाया गया है।

कोटा के 15 स्टेशनों :- कोटा के 15 स्टेशनों पर शामगढ़, रामगंज मंडी, भवानी मंडी, सवाई माधोपुर, सालपुरा, बारां, इन्द्ररगढ़, श्री महावीर जी, लाखेरी, बयाना, विक्रम आलोट, चौमहला, सुवासरा, मोरक, छबड़ा गुगोर सहित कुल 29 प्लेटफॉर्मों में स्वचलित प्लेटफार्म लाईट नियंत्रक सिस्टम लगाया गया है।

इस स्वचलित प्लेटफार्म लाईट नियंत्रक सिग्नल प्रणाली स कई फायदे हुए हैं।

- इस प्रणाली से ऊर्जा की बचत होती है।
- रोशनी नियंत्रण के माध्यम से बिजली खर्च को काम करता है।
- प्लेटफार्म लाइटिंग को सिग्नल सप्लाई से नियंत्रित करने के लिए यह प्रणाली बहुत ही विश्वसनीय है।
- पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत काफी कारगर सिद्ध हुआ है।

इस प्रकार पश्चिम मध्य रेल ने साल भर में लगभग 36 लाख किलोवाट से अधिक ऊर्जा की बचत की है।

संख्या: पमरे/मुख्या/मुजसअधि/प्रेस विज्ञप्ति/304/2022

दिनांक 04.08.2022

सम्माननीय संपादक

कृपया जनहित में उपरोक्त समाचार अपने लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित कर सहयोग करें।

सधन्यवाद

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर